भारतीय कला

प्रो. वे. डी. वाजपेयी
डॉ. संतोष कुमार वाजपेयी

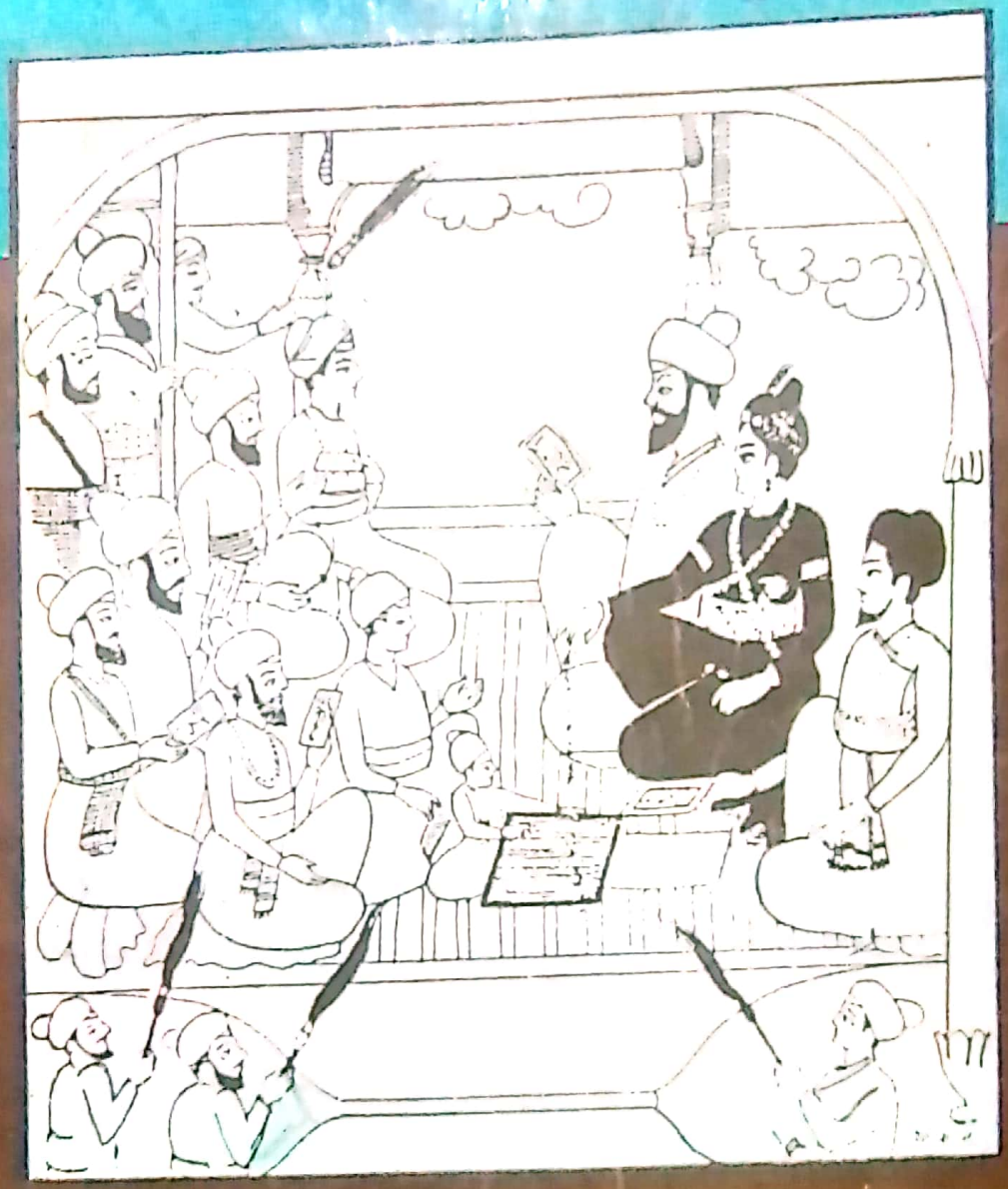

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

Scanned with OKEN Scanner

BHARTIYA KALA : K.D.BAJPAI - S.K. BAJPAI

© लेखकाधीन

□ प्रादेशिक भाषाओं में विश्वविद्यालय स्तरीय ग्रन्थों और साहित्य के निर्माण के लिए भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय (शिक्षा) की केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल द्वारा प्रकाशित।

प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग,
भोपाल-462 003
दूरभाष : 553084

संस्करण : प्रथम 1991
द्वितीय संशोधित 1994

मूल्य : रु. 25.00 (पच्चीस) मात्र

आवरण : धनंजय पिपलकुटे, भोपाल

मुद्रक : दिशा टाइपसेटर्स
17 अंडर चेतक ब्रिज, जोन-I
महाराणाप्रताप नगर, भोपाल-462 011
दूरभाष : 553161

स्नातक सामान्य/भाग तृतीय

विषय : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व

द्वितीय प्रश्नपत्र : भारतीय कला एवं वास्तुशिल्प का परिचय

पूर्णांक: 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य कला एवं वास्तुशिल्प के विकास के विभिन्न रूपों का तिथिक्रम के आधार पर उनके क्षेत्रीय उद्भव को ध्यान में रखते हुए परिवर्तनों का समुचित ज्ञान कराना है।

इकाई - 1 : 1 हड़प्पा की कला एवं वास्तुशिल्प। नगर नियोजन।

(4 व्याख्यान)

इकाई - 2 : 1. शैलोत्कीर्ण गुफाएँ - बाराबर, अजन्ता एलोरा, बादामी, महाबलिपुरम्।

2. मंदिर वास्तुशिल्प का उद्भव एवं विकास : नागर, द्राविड़ एवं बेसर शैलियाँ - देवगढ़, पट्टदकल, खजुराहो, महाबलिपुरम् के विशेष संदर्भ में।

(18 व्याख्यान)

इकाई - 3 : 1. भारतीय मूर्तिकला के विशिष्ट सोपान : मौर्य, शुंग और मथुरा कलाशैली एवं पल्लव तथा चोल मूर्तिकला के विशेष संदर्भ में।

(18 व्याख्यान)

इकाई - 4 : 1. प्रागैतिहासिक चित्र, अजंता और बाघ की चित्रकला।

(6 व्याख्यान)

इकाई-5 : 1. कला और समाज।

(4 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रंथ :

1. बी. रोलेण्ड : द आर्ट एण्ड आर्कीटेक्चर ऑफ इण्डिया - बुद्धिस्ट, हिन्दू एण्ड जैन
2. एन.आर. रे : अप्रोच टु इण्डियन आर्ट
3. एस. क्रेमरिश : हिन्दू टेम्पल्स - 2 भाग
4. एस.के. सरस्वती : ए सर्वे ऑफ इण्डियन स्कल्पचर

Scanned with OKEN Scanner